SHRI A D MANI (Madhya Pradesh) Sir, the hon Minister has mentioned that *ex gratia* payment has been made to the families of the victims of this accident I know Sir, that this *ex gratia* payment is only Rs 500 I would like to ask the Minister whether his attention has been drawn to the fact that in the case of the widow of the pilot who lost his life in the HF aircraft accident the other day in Bangalore, as much as Rs 1,50 000 was paid as compensation May I ask the Minister whether, in view of the fact that these accidents are occurring almost constantly on the railways, penal compensation would be paid to the families of the victims? And how is the compensation amount decided? I would like the Minister to throw some light on the principles governing the payment of compensation to the families of the victims

SHRI MOHD SHAFI QURESHI Sir, the *ex gratia* payment is quite apart from and without prejudice to, the compensation claims payable under section 82 of the Indian Railways Act which can be an amount up to a maximum of Rs 20 000 in respect of any one person who has been injured or who died as a result of an accident to a train carrying passengers An *ex gratia* payment of Rs 500 is immediately given to the family of the dead for cremation purposes It varies from Rs 200 to Rs 300 in the case of those who sustain injuries

DR (MRS) MANGALDEVI TALWAR (Rajasthan) Sir it has been stated that similar accidents due to human failure have taken place before not very far off in the past, I would like to know from the hon Minister what deterrent punishment has been given to those who have been the cause of this mass murder and who repeat this kind of neglect in duty It is really human failure which is the cause of an accident like this when a train is standing and another comes and rams into the standing train Sir, this is a very serious matter I would like to know from the hon Minister what deterrent punishment the department has given in the past and what they are contemplating to give this time

SHRI MOHD SHAFI QURESHI: Sir, I do not have this information at present as to what punishment has been given to the erring staff in previous accidents I will collect it and lay it on the Table of the House With regard to the question what punishment will be meted out to the people involved in this recent accident, as I said, the Additional Commissioner of Railway Safety is looking into the matter and after he gives his report, it will be decided

1 P M

REFERENCE TO ALLEGED THREAT HELD OUT TO THE DOCTORS FROM RAJASTHAN IN EVACUEE CAMPS

श्री जगदीश प्रसाद माथुर (राजस्थान): श्रीमन्, पिछले दिनों में जो बंगाल में स्थिति पैदा हुई है उसके कारण से भारी मात्रा में बंगला देश से शरणार्थी आये । उनकी सहायता के लिये संसद ने भी देश के नागरिकों से अपील की और प्रधान मंत्री ने भी अपील की । सब की अपील के कारण खास तौर से जो वहां बीमारी फैलने लग गई थी उसके कारण से हमारे राजस्थान प्रान्त की सरकार ने यह तय किया कि एक चार सौ बैड्स का अस्पताल वहां भेजा जाय । इस प्रकार उसने एक मोबाइल अस्पताल वहां पर भेज दिया है और वह वहां काम करने लगा । लेकिन जो स्थिति उस अस्पताल की हुई है उससे ऐसा लगता है कि देश के बाकी नागरिकों को उस बात की चिंता होगी कि हम उनकी सहायता के लिये जायं या न जायं या उनकी किस प्रकार से मदद करें । पिछले दिनों वहां पर इस प्रकार की स्थिति पैदा हुई कि वहां पर जो काम करने वाले डाक्टर थे उन पर बहुत से लोगों ने आक्रमण किया और अब उनको नोटिस दे दिया गया है कि वे सात दिन के अन्दर अन्दर या तो अस्पताल को उठा कर राजस्थान ले जाओ वरना जितने लोग अस्पताल में काम कर रहे हैं उनको मार दिया जायगा । केवल यह धमकी ही नहीं थी बल्कि जो कलाकार उनके साथ गया था उस कलाकार को उन्होंने पीटा । उसके बाद वहां पर डाक्टर को पीटा गया । वेस्ट बंगाल के इस्लामपुर नाम के एक कस्बे में से जो रेस्ट हाउस है उसी में उन्होंने अपना कैम्प लगा रखा था । उस रेस्ट हाउस पर बाकायदा हमला किया गया और वहां पर रहने वाले डाक्टरों को मारा गया । फिर 7 डाक्टर और काम करने वाले कुछ कर्मचारी पश्चिम बंगाल से चल कर राजस्थान पहुंचे और उन्होंने राजस्थान सरकार से इस प्रकार की रिपोर्ट दी कि हम शरणार्थियों की सेवा करना चाहते हैं, लेकिन सेवा करने की आज हमारी स्थिति

(श्री जगदीश प्रसाद माथुर)

नही है, वहा हमारी जान को खतरा है । उन्होने पुलिस को इसकी रिपोर्ट दी और पुलिस वहां आई । मगर जब गुंडो ने उन पर हमला किया तो पुलिस भाग गई और पुलिस उनको कोई प्रोटेक्शन नही दे सकी । उन्होने वैस्ट बंगाल गवर्नमेंट से भी रिक्वेस्ट की लेकिन वह भी उनको प्रोटेक्शन देने के लिये तैयार नही है । लोग उनकी सहायता करना चाहते है और 400 बैड्स का अस्पताल भेजा गया और उसके ऊपर उनको कोई प्रोटेक्शन न दिया जाय तो इससे आप समझ सकते है कि देश के अन्दर क्या स्थिति होगी ।

उपसभापति महोदय, इतना भी पता लगा है कि जो स्थानीय डाक्टर है उन्होने वहां के लोगों को भड़काया है कि इसके कारण हमारी प्राइवेट प्रैक्टिस मारी जा रही है । एक ओर तो सेवा का भाव है और राजस्थान से चल कर लोग वहा गये और दूसरी ओर वहा पर बंगाल मे रहने वाले डाक्टरो ने इस प्रकार का आन्दोलन किया कि इससे हमारी प्राइवेट प्रैक्टिस मारी जाती है । मै खास तौर से बंगाल से आने वाले संसद सदस्यो से निवेदन करूगा कि वे इस बात को देखे कि बंगाल के लोगो की सहायता के लिये जो दूसरे लोग जाते है उनके साथ बगाल के लोगो द्वारा इस प्रकार का व्यवहार न हो ।

अब सरकार ने मांग की है, सहायता समिति ने मांग की है कि शरणार्थियों के लिये ऊनी कपडे भेजे जायं और लोग ऊनी कपडे इकट्ठा कर रहे है । ऊनी कपडे इकट्ठा कर के अगर कुछ लोग चाहें कि हम वहां जाकर बाटे तो बांटने वालों को यह लगेगा कि उन पर मार पडेगी, उनको मारा जायगा, तो फिर वे कैसे कोई सहायता का कार्य कर सकते है । तो गवर्नमेंट की जिम्मेदारी है कि जो लोग वहां इस प्रकार की सहायत करने गये है उनकी गवर्नमेंट सुरक्षा करे । जो लोग बाग, वहां पर मारे गये, उनको पुलिस कोई प्रोटेक्शन नही दे सकी । दूसरे जितने भी बगाल के राजनैतिक कार्यकर्त्ता है उनसे मै निवेदन करूंगा कि वे वहा की स्थिति को संभालें वरना इसके कारण देश के अन्दर दूसरा वातावरण फैलेगा और वहा सहायता का काम करने मे लोग हिचकिचायेगे ।

REGARDING NON-PARTY DEMONSTRATION IN CONNECTION WITH BANGLA DESH.

श्री राजनारायण (उत्तर प्रदेश) : श्रीमन् श्री भूपेश गुप्त ने एक व्यापक प्रश्न उठाया था । मै भूपेश गुप्त जी से अपनी सहमति प्रगट करते हुए इस वक्त कुछ रचनात्मक सुझाव रखना चाहता हूं । आपको शायद मालूम है . . .

श्री उपसभापति : किस के बारे मे !

श्री राजनारायण : बंगला देश के बारे में । आपको मालूम है कि श्री जय प्रकाश नारायण जी ने एक सार्वजनिक अपील निकाली थी कि बंगला देश के प्रश्न पर विभिन्न दल अलग-अलग प्रदर्शन और सभा आदि करने की बात न करें, बल्कि सब लोग एक जगह मिल कर एक साथ उठें । यह सम्पूर्ण राष्ट्र का प्रश्न एक विदेशी हमले के प्रति है । मै चाहता हूं कि भूपेश जी की इस भावना को साकार रूप देने के लिये जो उचित और ठोस सुझाव उनके सामने आयें उन को वे ठीक तरह से सुनें, सरकार भी ठीक तरह से सुने ।

आपको मैने शायद न बताया हो, बता दूं और भूपेश जी इस को जान लें कि इसीलिए हम लोगो ने एक निर्दलीय, जिस मे किसी दल का नाम नही है, निर्दलीय बागला देश सम्मेलन किया । हमने श्री डी० संजीवैया से रेक्वेस्ट किया हैदराबाद मे । सजीवैया जी ने हम से कहा कि हम इस पर विचार करके तीन, चार दिन के बाद आपको खबर करेगे । हम ने परसो भी चार दिन बाद कुर्सी कांग्रेस के पास, सगठन काग्रेस के पास, भूपेश जी की पार्टी के पास, रिपब्लिकन पार्टी के पास, स्वतत्र पार्टी के पास, जनसघ के पास, प्रायः जितने भी दल है सब दलों के पास